गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है – www.golalariya.com

मासिक
# गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 4 अंक : 12 पृष्ठ संख्या : 8 माह – मई 2013 सहयोग राशि : 100 रु

## संपादकीय

## सहयोगी बनकर व्यक्तित्व को निखारें !

एक बालक पढ़ने में बहुत तेज था वह हमेशा कक्षा में प्रथम आता था। धार्मिक परिवार का होने के कारण धर्म में भी रुचि थी। एक बार वह अपने शिक्षक से अपने सहपाठियों की शिकायत करते हुए बोला कि जब मैं आपके कठिन प्रश्नों का जवाब देता हूँ तो मेरे सहपाठी मुझसे जलते है ऐसा करके वे अवश्य ही नरक में जावेंगे। शिक्षक ने विद्यार्थी की पूरी बात ध्यान से सुनी और कहा कि यदि तुम्हारे सहपाठी तुमसे जलने के कारण नर्क में जायेंगे तो क्या उनकी जलन को बताने के लिए तुम उन पर अंगुली नहीं उठा रहे हो तब तुम स्वयं को क्यों नहीं देखते कि तुम भी उनसे जलने लगे हो, अगर जलन के कारण तुम्हारे साथियों ने नर्क का रास्ता चुना है तो तुम भी उसी रास्ते पर बढ़ रहे हो। याद रखे कि जब हम किसी पर एक अंगुली उठाते है तब बाकी तीन अंगुलियां हमारी तरफ होती है। दूसरों की निंदा करने के पहले हमें अपने आप को अवश्य ही परख लेना चाहिए।

सामाजिक जीवन में अनेक व्यवहारों में आलोचना, समालोचना होती ही रहती है परन्तु हमें सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि आलोचना का रुख केवल निंदात्मक नहीं हो, आलोचना सकारात्मक व रचनात्मक हो, आलोचना से किसी के आत्मसम्मान को ठेस न पहुंचे जैसा व्यवहार हम अपने लिए चाहते है वैसा ही व्यवहार हमें भी करना चाहिए।

दूसरों की निंदा करना व उनके कार्यों में सदैव गलतियां निकालने वाला व्यक्ति स्वयं अपनी कमजोरियों को नहीं जान पाता है जो व्यक्ति दूसरों में गुण ना देख पाए वह कभी किसी को आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकता है और ना ही किसी की प्रशंसा कर सकता है।

प्रत्येक दिन हमें अपने कार्यों का आत्मविश्लेषण करना चाहिए और ईमानदारी पूर्वक दिन भर में किए गए नकारात्मक व सकारात्मक कार्यों का अवलोकन कर अपने व्यक्तित्व को निखारना चाहिए। ईमानदारी पूर्वक किया गया आत्मविश्लेषण जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है। सकारात्मक कार्य हमें निश्चित ही नवीन ऊंचाईयों तक ले जाने में सहायक होते है।

यदि हम हर समय दूसरों की निंदा व उनमें बुराईयां ढूंढने का काम ही करते रहे तो हम स्वयं ही अपने दुश्मन बन जावेंगे, जीवन में खुशियां, उत्साह व आनंद सब हमसे स्वत: ही दूर हो जायेगी इसलिए सकारात्मक सोच के साथ रचनात्मक कार्यो के लिए सदैव तैयार रहे, फिर देखे हमे अपना व्यक्तित्व बदला बदला सा लगने लगेगा और जीवन फूलों की तरह हल्का और खुशबूओं से महक उठेगा। – राजेन्द्र जैन 'बागो', संपादक

## स्नेह सम्मेलन समाज को एकसूत्र में बांधते है।

भोपाल, धन्यकुमार जैन 'देनाबैंक'। श्री गोलालारीय दिगम्बर समाज भोपाल का स्नेह सम्मेलन 7 अप्रैल को सानंद संपन्न हुआ। स्नेह सम्मेलन का शुभारंभ आचार्यश्री विद्यासागरजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मंगलाचरण श्रीमती नेहा जैन द्वारा एवं स्वागत गीत श्रीमती रिद्धी जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री निर्मलकुमार जैन असि. कमिश्नर (सेल्स टेक्स), श्रीमती आशा जैन 'पार्षद' थे। सम्मेलन की अध्यक्षता श्री नरेन्द्रकुमार जैन से.नि. महाप्रबंधक स्टेट बैंक ने की। कार्यकारी अध्यक्ष श्री धन्यकुमार जैन ने सभी अतिथियों व साधर्मी भाई बहनों का स्वागत किया। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने इन्दौर की बेबी रिया जैन के इलाज के बारे में समाजजनों को अवगत कराया एवं उसके उपचार हेतु श्री अशोककुमार जैन 'शांति सीड्स', संजय जैन 'लालू', अतुल शताब्दी, अनिल –बबीता जैन सीए, विजयकुमार प्रतीक, डॉ. नरेन्द्र जैन एवं श्री गुलाबचंद जैन तामोट भूतपूर्व वनमंत्री म.प्र. शासन द्वारा संचालित ट्रस्ट से श्री शरद तामोट ने यथायोग्य राशि बेबी रिया जैन के खाते में प्रेषित की तथा सभा में म.प्र. शासन से भी यथासंभव सहायता राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। सम्मेलन में विदिशा से पधारें पं. महेन्द्रकुमारजी का शाल एवं श्रीफल भेंट कर अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। इन्होंने ऐलकश्री नि:शंकसागरजी महाराज की प्रेरणा से किरी मोहल्ला में गोलालारीय जैन समाज के परमानंद चैत्यालय के जीर्णोद्धार में तन, मन, धन से सहयोग कर नवीन रुप प्रदान किया। श्री फूलचंदजी योगाचार्य ने रोग भगाये योग से पर उद्बोधन देकर समाज को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। नर्मदा ट्राम सेंटर के डाक्टरों द्वारा सम्मेलन में पधारें समाजजनों का नि:शुल्क स्वास्थ परीक्षण किया। डाक्टरों का स्वागत सचिव श्री सुधीर जैन द्वारा किया गया। सम्मेलन में इंजी. श्री महेश तामोट एवं श्रीमती साधना जैन 'आकाशवाणी'ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देशना जैन, अहाना जैन द्वारा प्रस्तुत नृत्य को समाजजनों ने काफी सराहा। मा. सहज जैन द्वारा सिंथेसाइजर पर गीत की प्रस्तुति ने उपस्थित समाजजनों का मन मोह लिया।

गोलालारीय समाज बेस्ट कपल आफ दी ईयर का पुरस्कार श्री चक्रेश–संगीता जैन व श्री मुकेश–सुनीता जैन के नाम गया। कार्यक्रम का संचालन बबीता जैन, सुधा जैन ने किया। सम्मेलन को सफल बनाने में संजय जैन 'लालू', राजेश जैन, अभिनंदनजी, महेश पंचरत्न, सुशील जैन, सुनील जैन, डॉ. नरेन्द्र जैन, निर्मलकुमार जैन 'शांति सीड्स' व नरेन्द्र जैन आदि का विशेष सहयोग सराहनीय रहा। सम्मेलन के अंत में विगत वर्ष समाज से बिछुड़ गये दिवगंत समाजजनों को भावभीनी श्रद्धांजलि देकर सभा का समापन किया गया। श्री संजय जैन 'लालू' ने स्नेह सम्मेलन में पधारे सभी समाजजनों का आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।

## नागपुर

नागपुर, प्रकाशचंद जैन। महावीर जयंती के कार्यक्रम इस वर्ष प.पू. ब्र. प्रद्युम्नकुमारजी के सान्निध्य में सानंद संपन्न हुए। नगर के सभी मंदिरों में नित्य पूजा अर्चना के साथ महावीर जन्मोत्सव के विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रात: 7.30 बजे परवारपुरा मंदिर से भव्य शोभायात्रा में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आदर्श महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण का पाठ किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष माननीय श्री अजयजी संचेती (राज्यसभा सदस्य), ध्वजारोहणकर्ता श्री प्रवीणजी चौधरी, दीप प्रज्ज्वलन श्री संतोषजी पेंढारी, प्रमुख अतिथि मा. श्री नितीनजी राउत, विशेष अतिथि श्री अनिलजी सोले के सानिध्य में धर्मसभा हुई। सभा के अंत में ब्रह्मचारीजी ने अपने उद्बोधन में मांसाहार छोड़ शाकाहार अपनाने पर जोर दिया।

संध्या को नागपुर समाज द्वारा 'माता पिता सत्कार समारोह' का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि श्री नितिन गड़करी भूतपूर्व रा. अध्यक्ष भाजपा की उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम चार घंटे तक चला। अपने आप में अनूठे रहे इस कार्यक्रम समस्त समाजजनों ने भूरी–भूरी प्रशंसा की। जीयो ग्रुप द्वारा धार्मिक चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया गया, लगभग 450 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर भगवान महावीर स्वामी के जीवन से संबंधित हाथ से बनाये हुये चित्रों का प्रदर्शन किया। अंत में विजेताओं को पुरस्कार मुख्य अतिथि श्री नितिन गड़करी द्वारा प्रदान किये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशीष प्रकाश जैन ने विशेष योगदान दिया तथा समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।

**परामर्श प्रमुख**

**डॉ. श्रेयांस कुमार जैन,** बड़ौत, 9837043221
**डॉ. कपूरचंद जैन,** खतौली, 9412678256
**प्रधान संपादक**
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136
**सह संपादिका**
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
**कोषाध्यक्ष –**
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
**प्रबंध संपादक**
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227
**(संयोजक एवं प्रकाशक)**
बाहुबली जैन, 9827247847

***परम संरक्षक***

श्री पुष्पेन्द्रकुमार जैन, पूरा विरधा
सिंघई अशोक कुमार जैन, पूरा विरधा

***संरक्षक***

श्री सुरेशचंद्र जैन, एसबीआई,
स्कीम नं. 54, विजय नगर, इन्दौर

***विशेष सहयोगी***

श्री अश्विन जैन, जबलपुर
श्री निर्मल कुमार जैन, ज्योत्षाचार्य, जबलपुर
श्री राजकुमार जैन, एस.बी.आई, जबलपुर
डॉ. सुनील जैन, जबलपुर
सिं. चन्द्रकुमार जैन 'ठेकेदार', जबलपुर
श्री जयकुमार जैन, जबलपुर
श्री आलोक जैन, कोषाध्यक्ष, जबलपुर
श्री अरविन्द कुमार जैन 'बाकल', जबलपुर
श्री राजेन्द्रकुमार जैन, एस.बी.आई. उज्जैन

***आजीवन सदस्य***

श्री अनिल कुमार जैन, 'कामठी' नागपुर
श्री कोमलचंद जैन, खुरई
श्री जिनेन्द्रकुमार जैन, एमपीईबी, देवास

**सदस्यता शुल्क**

| | |
|---|---|
| शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.) | – 21000/– |
| परम संरक्षक(अ.जा.) | – 11000/– |
| संरक्षक (अ.जा.) | – 5100/– |
| विशेष सहयोगी (अ.जा.) | – 2100/– |
| आजीवन शुल्क | – 1100/– |
| पंचवर्षीय सहयोग | – 250/– |

आप गोलालारीय दर्शन में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता क्रं. 63048875855 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी कार्यालय पर अवश्य भेंजे ताकि सहयोग राशि की रसीद आपको भेज सके ।

**विज्ञापन शुल्क**

| | |
|---|---|
| अंतिम फुल पेज | 3000/– |
| 1/2 पेज | 2000/– |
| 1/4 पेज | 1000/– |
| कॉलम | 500/– |
| मांगलिक बधाई फोटो सहित | 500/– |
| शोक संदेश फोटो सहित | 200/– |
| बॉयोडाटा फोटो सहित | 100/– |

# भगवान महावीर स्वामी जन्मोत्सव पर विभिन्न शहरों में धार्मिक कार्यक्रम संपन्न

## अहमदाबाद

अहमदाबाद, श्रेयांस जैन 'धमसैया'। महावीर जयंती के अवसर पर नगर के जीतो संगठन के नेतृत्व में एक विशाल एवं अद्भुत जुलूस निकाला गया। जिसमें समाज के 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस शोभायात्रा में श्रीजी के रथ के साथ 5 हाथी, 30 बग्गियां, 3 रथ, 4 ट्रक, 15 ऊंटगाड़ी व 4 खुली जीपों के साथ सैकड़ो निजी वाहन साथ चल रहे थे। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से भ्रमण करती हुई पालडी विस्तार के एक बड़े हॉल में समाप्त हुई जहां पर समाजजनों के लिए स्वामी वात्सल्य का आयोजन रखा गया था। नगर में जैन मंदिरों के साथ साथ प्रमुख स्थलों पर भगवान महावीर स्वामी के अमर संदेशों के साथ नगरवासियों को बधाई संदेश के सैकड़ो बोर्ड व बैनर लगाये गये थे।

* धन लक्ष्मी सोसायटी स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पर नित्य पूजन अर्चना के साथ दिनभर अनेको कार्यक्रम आयोजित किये गये। रात्रि में भगवान महावीर स्वामी का पालना झूलाने व भजन संध्या के साथ समाजजनों ने महावीर जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई।
* 1008 श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर शराफ चाल मंदिरजी से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, श्रीजी के रथ के साथ सैकड़ो धर्मालुजनों ने भाग लिया।
* हरिशचंद बी. जैन । श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अंबिका नगर में समाजजनों ने महावीर स्वामी जन्मोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। प्रात: प्रभातफेरी पश्चात श्रीजी अभिषेक, शांतिधारा एवं शाम को भजन मंडली द्वारा रोचक भजनों की प्रस्तुति का लाभ समाजजनों ने लिया। धर्मप्रभावना सहित कार्यक्रम संपन्न हुए।

सत्येन्द्र जैन। श्री 1008 संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गोमतीपुर से आयोजित भव्य शोभायात्रा में श्रीजी के रथ के साथ सैकड़ो धर्मालु समाजजनों ने भगवान महावीर स्वामी का जयघोष करते हुए 4 कि.मी. लंबे जुलूस मार्ग को धर्ममय बना दिया। शोभायात्रा में बैंडबाजो एवं बग्गियों के साथ भक्तजन महावीर स्वामी के अमर संदेशों का जयघोष करते हुए उत्साहपूर्वक चल रहे थे। जुलूस पश्चात श्रीजी के अभिषेक एवं शांतिधारा में समाजजन पूर्ण भक्तिभाव से शामिल हुए। इसके पूर्व फूलमाल, ज्ञानमाल, चारित्रमाल एवं विद्यासागरमाल की बोलियां समाजजनों ने बढ़ चढ़कर ली। उक्त जिनालय की संपूर्ण प्रबंध व्यवस्था गोलालारीय परिवारों द्वारा ही की जा रही है।

## झांसी

झाँसी, राजेश जैन 'बीड़ीवाले'। भगवान महावीर स्वामी का 2612 जन्म कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़कर भक्तिभाव से भाग लिया। इस अवसर पर झाँसी के सभी जैन मंदिरों में शोभायात्रा, जुलूस आदि निकाले गये। सर्वप्रथम प्रात: प्रभातफेरी के माध्यम से शहर के मुख्य मार्गो से भगवान महावीर स्वामी का जयघोष, जयकारा लगाते हुए बच्चे, युवा, महिलाये एवं बुजुर्गजन हाथो में अहिंसा परमो धर्म के ध्वज लिये भगवान महावीर के जैन दर्शन का अलौकिक दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे। तीर्थस्थली करगुंवा के निकट 'करुणा स्थली' पर भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक छुल्लिका माता विनम्रमती माताजी द्वारा मांगलिक मंत्रोचारण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन श्री कैलाशचंद्र 'पत्रकार' एवं ध्वजारोहण बाबू प्रकाश चन्द्र जैन ने किया। क्षुल्लिका विनम्रमती माताजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति का मूलगुण अहिंसा है लेकिन पाश्चात्य संस्कृति समाज में विकृतियां पैदा कर रही है। इस दौरान प्रदीपकुमार, बाहुबली, डॉ. जिनेन्द्र जैन, रिषभ जैन, अनिमेश जैन, प्रयंक जैन, आदित्य जैन आदि उपस्थित रहे।

दोपहर की बेला में झाँसी में विराजमान चर्याशिरोमणि 108 आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज के मंगल सानिध्य में शोभायात्रा शहर के मध्य से निकाली गई। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर स्वागत एवं तोरण द्वार लगाये गयें। इस मांगलिक अवसर पर आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन किया गया एवं शास्त्र भेंट किये गये। इस भीषण गर्मी में धर्मावलम्बियों के लिये जैन मिलन एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ साथ 'भारत विकास परिषद' रानी झाँसी के संस्थापक अध्यक्ष राजेश जैन के निर्देशन में शीतल पेयजल एवं मीठा दूध वितरण किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष प्रभास खंडेलवाल, देवेन्द्रसिंह, आशुतोष मोदी,संजीव जैन, चन्द्रकांत गोयल, चेतवंत पटेल, दीपक वार्ष्णेय, अनिल चौधरी, विवेक सोनी, शैलेन्द्र अग्रवाल, महेन्द्र जैन, अमित अग्रवाल, अश्वनी शुक्ला, अजय जैन, अभिताभ नगरिया, संजय अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय जैन, राशि जैन, सुनीता जैन, रंजना जैन एवं संगीता जैन आदि उपस्थित रहे।

झाँसी, राजेश जैन 'बीड़ीवाले'। भगवान महावीर स्वामी का 2012 जन्म कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़कर भक्तिभाव से भाग लिया। इस अवसर पर झाँसी के सभी

जैन मंदिरों में शोभायात्रा, जुलूस आदि निकाले गये। सर्वप्रथम प्रात: प्रभातफेरी के माध्यम से शहर के मुख्य मार्गो से भगवान महावीर स्वामी का जयघोष, जयकारा लगाते हुए बच्चे, युवा, महिलाये एवं बुजुर्गजन हाथो में अहिंसा परमो धर्म के ध्वज लिये बच्चे भगवान महावीर के जैन दर्शन का आलोकिक दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे। जयंती तीर्थस्थली करगुंवा के निकट 'करुणा स्थली' पर भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक छुल्लिका माता विनम्रमती माताजी द्वारा मांगलिक मंत्रोचारण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन कैलाशचंद्र पत्रकार एवं ध्वजारोहण बाबू प्रकाश चन्द्र जैन ने किया। क्षुल्लिका विनम्रमती माताजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति का मूलगुण अहिंसा है लेकिन पाश्चात्य संस्कृति समाज में विकृतियां पैदा कर रही है। इस दौरान प्रदीपकुमार, बाहुबली, डॉ. जिनेन्द्र जैन, रिषभ जैन, अनिमेश जैन, प्रयंक जैन, आदित्य जैन आदि उपस्थित रहे। दोपहर की बेला में झाँसी में विराजमान चर्याशिरोमणि 108 आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज के मंगल सानिध्य में शोभायात्रा शहर के मध्य से निकाली गई। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर स्वागत एवं जगह जगह तोरण द्वार लगाये गयें। इस मांगलिक अवसर पर आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन किया गया एवं शास्त्र भेंट किये गये। इस भीषण गर्मी में धर्मावलम्बियों के लिये जैन मिलन एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ साथ 'भारत विकास परिषद' रानी झाँसी के संस्थापक अध्यक्ष राजेश जैन के निर्देशन में शीतल पेयजल एवं मीठा दूध वितरण किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष प्रभास खंडेलवाल, देवेन्द्रसिंह, आशुतोष मोदी,संजीव जैन, चन्द्रकांत गोयल, चेतवंत पटेल, दीपक वार्ष्णेय, अनिल चौधरी, विवेक सोनी, शैलेन्द्र अग्रवाल, महेन्द्र जैन, अमित अग्रवाल, अश्वनी शुक्ला, अजय जैन, अभिताभ नगरिया, संजय अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय जैन, राशि जैन, सुनीता जैन, रंजना जैन एवं संगीता जैन आदि का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

# महावीर जयंती महोत्सव पर दिव्य घोषों के बीच निकला ऐतिहासिक व भव्य चल समारोह

## जबलपुर

जबलपुर, अरविन्द जैन 'बाकल'। महावीर जयंती के पर्व पर नगर में परंपरानुसार सभी मंदिर को मनोरम रुप से सजाया गया। मुख्य शोभायात्रा में शामिल होने चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर संगम कालोनी की पालकी निकाली गई, जिसकी पूजन आरती एवं जुलूस का स्वागत अनेक स्थानों पर किया गया। सकल समाज की शोभायात्रा सुबह 7.30 बजे हनुमानताल बड़े जैन मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई कमानिया गेट आयी। कमानिया गेट से अन्य झांकियां और पालकियां सम्मिलित हुई। जुलूस में शहर के 20 मंदिरों की झांकियां एवं रजत पालकी, 4 श्रीजी के रथ, 10 बग्घी, 20 बैण्ड पार्टी, 5 धमाल पार्टी, 25 घोड़े एवं बड़ी संख्या में जैन समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। जुलूस में परम पूज्य 105 अपूर्वमति माताजी एवं कुशलमति माताजी का सानिध्य रहा। शोभायात्रा का जुलूस विभिन्न मार्गों से होता हुआ कमानिया गेट पर वापिस आया, जहाँ पर सभी मंदिरों की पालकी एवं श्री जी की पालकी दोपहर तक कमानिया गेट पर महाशांतिधारा कार्यक्रम हेतु रखी गई। दोपहर में सौधर्म इन्द्र, ईशान इन्द्र आदि द्वारा महाशांतिधारा की गई, उसके बाद माताजी द्वारा धर्मसभा को संबोधित किया गया। शोभायात्रा में माननीय सांसद, विधायक एवं नेतागण सम्मिलित हुये।

## गंजबासौदा

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। भगवान महावीर स्वामी का जन्म जयंती उत्सव 23 अप्रैल को नगर के जैन श्रद्धालुओं द्वारा उत्साह के साथ मनाया गया। चल समारोह में शामिल होने के लिए कुछ दिन पूर्व से ही बाहुबली सेना, जैन मिलन सोशल ग्रुप द्वारा पूरे नगर में धर्म पताका व पीले चावल का वितरण किया गया, साथ जैन बंधुओं से अपने प्रतिष्ठान मंगल कर चल समारोह में शामिल होने का निवेदन किया गया था व अपने निज निवासों पर लाइटिंग व दीपक जलाने का भी निवेदन किया।

दि. 22 अप्रैल यानी महावीर जयंती के एक दिन पहले एक ऐतिहासिक वाहन रैली निकाली गई जिसमें सैकड़ो दो पहिया वाहनों पर युवा वर्ग धर्म पताकाये लेकर व जयघोष करते हुए व डी.जे. पर भजनों पर नृत्य करते हुये वाहन रैली निकाली गई। वाहन रैली का आयोजन बाहुबली सेना द्वारा किया गया था।

महावीर जयंती का चल समारोह सुबह 8 बजे धूसरपुरा जैन मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ महावीर विहार पहुँचा।

धूसरपुरा जैन मंदिर में चांदी के विमान पर श्रीजी को विराजमान कर चल समारोह प्रारंभ हुआ। चल समारोह में सबसे आगे केसरिया पताके फहराते हुए धर्मालु अश्वारुढ़ बालक चल रहे थे। जिनके पीछे त्रिशला माता के 16 स्वप्नों व अष्ट देवियों द्वारा माता की सेवा करते हुए झांकी की प्रस्तुति धूसरपुरा जैन पाठशाला द्वारा तैयार की गई थी। उसके बाद श्री महासागर व्यायाम शाला का दिव्य घोष तथा महावीर स्वामी द्वारा वन में तपस्या करते हुये व जंगल का राजा शेर द्वारा सुरक्षा प्रदान करते हुये झांकी चल रही थी। उसके बाद श्वेताम्बर जैन समाज द्वारा एक सुंदर गरबा की प्रस्तुति दी गई। डी.जे. पर जैन भजनों पर वरिष्ठजन व युवावर्ग नृत्य करते हुये चल रहे थे। वीरसेवा दल व श्री विद्यासागर सेवा दल बढ़ेपुरा के दिव्यघोषों का संचालन हो रहा था। विमान में श्रीजी विराजमान कर पालकी को कंधो पर लेकर सैकड़ों की संख्या में समाज बंधु चल रहे थे। विमान के पीछे एक विशाल महिला समूह भजनों को गाते हुए चल रहा था।

पूरे चल समारोह में जगह जगह जैन सोशल ग्रुप द्वारा ठंडा जल, रसना, दूध की ठंडाई की व्यवस्था की गई। चल समारोह से पूरा नगर धर्ममय हो गया था। जगह जगह बैनर, होर्डिंग व स्वागत द्वार लगाये गये थे। नगर के टीआई श्री विमल जैन द्वारा श्रीजी की आरती कर स्वागत किया गया । इसके अलावा श्री राम जन्मोत्सव समिति, ब्राह्मण महापंचायत, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, अहिरवार युवा परिषद, आर्या मोटर्स सहित जगह जगह नागरिकों संस्थाओं द्वारा श्रीजी की आरती उतारी गई। इसके साथ ही अनेक स्थानों पर जैन परिवारों द्वारा रंगोलियां बनाई गई व आरती उतारी गई।

अंत में चल समारोह महावीर विहार पहुँचा जहां पर श्रीजी का अभिषेक व शांतिधारा की गई तत्पश्चात पूरे समाज के लिए सहभोज का आयोजन किया गया था। महावीर विहार में श्वेताम्बर जैन समाज के महाराज सा. के प्रवचन हुये जिसमें उन्होंने बासौदा जैन समाज की एकता पर प्रसन्नता जाहिर की व अपना आशीर्वाद दिया।

शाम 7बजे भव्य आरती की गई तत्पश्चात बासौदा की समस्त जैन पाठशालाओं के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये व अंत में वीर सागर पाठशाला की महिलाओं द्वारा **माँ की ममता का महत्व** नामक नाटिका प्रस्तुत की गई। इस नाटिका का संचालन ब्रह्मचारिणी अराधना दीदी द्वारा किया गया।

## विदिशा

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्म जयंती महोत्सव का कार्यक्रम बहुत ही उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन 22 अप्रैल को श्री चन्द्रप्रभु मंदिर से प्रभात फेरी प्रारंभ होकर, पार्श्वनाथ जिनालय अरिहंत बिहार से होती हुई तिलक चौक पर पहुँचकर शीतलनाथ छोटा मंदिर की प्रभातफेरी एवं पार्श्वनाथ जिनालय 'राम द्वार' की प्रभात फेरी में शामिल होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई भगवान महावीर की जयकारे के साथ एवं भगवान महावीर का मुख्य नारा **जियो और जीने दो** की गर्जना के साथ मालवीय उद्यान में पहुँचकर ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रभातफेरी में समाज जनों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

23 अप्रैल को श्रीजी की मुख्य शोभा यात्रा किलेअंदर से ''छोटे जैन मंदिर'' से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई माधवगंज पर पहुंची। श्रीजी की यात्रा में समाज के सभी वर्गो ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शोभायात्रा का अनेक स्थानों पर स्वागत हुआ। रास्ते भर श्री जी की आरती उतारी गई। जैन मिलन शाखा विदिशा द्वारा शोभायात्रा में शामिल भाईयो, माता, बहिनों को शीतल शर्बत वितरित किया गया। जैन सोशल ग्रुप विदिशा द्वारा पक्षियों के लिये जल पात्र वितरित किये गये।

माधवगंज पहुंचकर श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा एवं सामूहिक पूजन संगीतमय वातावरण में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राघवजी भाई, वित्तमंत्री म.प्र.शासन ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांतों की आज अधिक आवश्यकता है। पुलिस अधीक्षक श्री चौधरी ने सभी समाज बंधुओं को इस अवसर पर महावीर जयंती की शुभकामनाएं प्रदान की। श्री हृदयमोहन जैन, अध्यक्ष अ.भा तीर्थ क्षेत्र कमेटी ने भी सभी को इस अवसर पर शुभकामनाएं प्रदान की।

कार्यक्रम स्थल पर महिला मंडल द्वारा जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पालने का कार्यक्रम रखा गया। शाम को श्री महावीर दि. जैन मंदिर में भी भगवान के पालने का कार्यक्रम रखा गया। अंत में निराश्रितजनों को भोजन भी कराया गया एवं वस्त्र वितरण किये गये।

## पावाजी में महावीर जयंती संपन्न

# महावीर जयंती पर अद्भुत संयोग – खुदाई में 13 प्राचीन जैन प्रतिमाएं निकली

कानपुर, अमोद जैन। जहाजपुर (भीलवाड़ा) में मंगलवार दोपहर एक मकान की नींव की खुदाई के दौरान करीब 800 वर्ष पुरानी 13 जैन प्रतिमाएं मिली। महावीर जयंती के अवसर पर खुदाई में प्राचीन प्रतिमाएं निकालने की जानकारी मिलते ही उनके दर्शनों के लिए वहां जनसमूह उमड़ पड़ा। जहाजपुर के अलावा आस पास के क्षेत्रों और जिलों से भी लोग दर्शन के लिए वहां पहुँचे। जिला प्रशासन ने मूर्तियों की जांच के लिए जयपुर से पुरातत्व विभाग की टीम बुलवाई। जहाजपुर कस्बे में पहले भी खुदाई में मूर्तियां मिल चुकी है।

प्रतिमाओं की कीमत करोड़ो रुपए में आंकी गई है। कस्बे में शीतलामाता मंदिर के निकट अब्दुल रशीद मकान के निर्माण के लिए मंगलवार को अपने भूखंड पर नींव की खुदाई करवा रहा था। दोपहर करीब डेढ़ बजे खुदाई करते समय जमीन के अंदर संगमरमर की एक प्रतिमा का हिस्सा देखकर मजदूर चौक पड़ा। उसने इसकी जानकारी अब्दुल रशीद को दी। रशीद ने तत्काल जैन समाज के लोगों को इस मूर्ति के बारे में बताया। कुछ ही देर में जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो गये।

जैन समाज के प्रबुद्ध जनों ने जेसीबी मशीन मंगवाकर नींव की खुदाई शुरू की। इसके बाद वहां एक के बाद एक करके 13 प्रतिमाएं निकली। इनमें से अधिकांश की लंबाई साढ़े चार फीट थी। इनमें महावीर स्वामी, बाहुबली, पार्श्वनाथ व पद्मावती की प्रतिमा थी। खुदाई में मंदिर मेहराब, लाटे भी निकली। खुदाई में निकली प्रतिमाओं को प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया। सुरक्षा की दृष्टि से तीन बड़ी प्रतिमाओं को दिगम्बर जैन मंदिर तथा 9 प्रतिमाओं और मंदिर मेहराब, लांटो को निकट के घर में रखवाया गया।

हम पेशेवर पत्रकार नहीं है और ना ही हमारे पास पत्रकारिता का कोई अनुभव है। बस एक चाह, एक उद्देश्य है समाज के बच्चों एवं युवा वर्ग की प्रतिभाओं को आप सबके सामने लाने का एक छोटा सा प्रयास भर है। यदि इस प्रयास में हमसे होने वाली समस्त त्रुटियों के लिए हम सदैव आपसे क्षमाप्रार्थी है।

# ब्रह्मचारी लामचीदास जी : एक महान व्यक्तित्व

इतिहास और पुराण ग्रंथ इस बात का जीवंत साक्ष्य है कि महानतम व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति अपने जीवन का अमूल्य समय अपने जीवन परिचय को लिखन–लिखवाने में नहीं गवाते हैं। जिज्ञासुजन उनके कार्यों से उनका जीवन परिचय खोज निकालते है।

भगवान महावीर के शासन काल में ब्रह्मचारी लामचीदास ऐसे एक मात्र ज्ञात श्रावक है जिन्होंने कैलाश पर्वत के जिनालयों के साक्षात दर्शन किए है।

ब्रह्मचारी लामचीदास जी ने अपनी कुल परम्परा को गौरान्वित करते हुए महानतम दुर्लभ कार्य करते हुए अपनी दुर्लभ मनुष्य पर्याय को धन्य किया । ब्रह्मचारी जी के जीवन परिचय के बारे में कुछ विशेष उल्लेख (लिखित अथवा मौखिक) नहीं मिलता। 104 पृष्ठ के यात्रावृतान्त पत्र में से उपलब्ध कुछ पृष्ठ गोलालारीय दि. जैन समाज ललितपुर ने 'श्री कैलाश यात्रा' के नाम से एक 16 पृष्ठ की पुस्तक में प्रकाशित किए थे। पुस्तक के तीसरे संस्करण के आधार पर उनके परिचय को सहेजने का एक प्रयास किया गया है।

ब्रह्मचारी अदम्य साहसी, निडर, अद्भुत क्षमता वाले, जिनेन्द्र देव और जिनवाणी पर अकाट्य श्रद्धान रखने वाले, अपनी महान संकल्प शक्ति से देवों को भी अपने पक्ष में करने वाले महान पुरुष थे। इनका जन्म भूटान देश के गिरिमध्यनगर (गिरिजम नगर) में सूर्यवंशी गोलालारे जैन परिवार में हुआ था। वे भरे पूरे कुटुम्ब परिवार, इष्ट, मित्रों को छोड़कर कैलाश के दर्शनों की अभिलाषा से सं. 1806 (सन्1774) में अपना गृह नगर त्याग कर भारत, ब्रह्मा, चीन, तिब्बत की यात्रा करते हुए मानसरोवर झील के रास्ते से होते हुए कैलाश पर्वत पहुँचे।

उन्होंने 240 वर्ष पूर्व अपने गृहनगर गिरिमध्यनगर भूटान देश से 150 कोस चलकर कामरुपनगर (असम, भारत) पहुंचे, वहां से 400 कोस पूर्व में चलकर ब्रह्मा देश (म्यांमार) के किरीटम देश के कोशीनगर पहुंचे, कोशीनगर से 200 कोस पूर्व में चलकर म्यांमार के आवा नगर पहुंचे, आवा से 350 कोस पूर्व में चलकर केशव नगर कपूरी देश (म्यांमार) पहुंचे केशवनगर से चलकर कोचीन (चीन) देश के हेवानगर पहुंचे वहां से 600 कोस चलकर होवोनगर (चीन में) पहुंचे। यह दोनों नगर आज भी इसी नाम से जाने जाते है। वहां से 1300 कोस उत्तर में चलकर चीन के देश के ही ठाकुल नगर पहुंचे। ठाकुल नगर से पश्चिम की ओर 900 कोस चलकर पेकिंग शहर (बीजिंग) पहुंचे। यहां पर रहकर उन्होंने चीन के राज वैभव को विस्तार से वर्णन किया। पेकिंग (बीजिंग) से 1500 कोस पश्चिम में चलकर तातार देश (चीन) के सागर नगर पहुंचे वहां से 1100 को पश्चिम में चलकर मुंगार देश (तिब्बत) के बरजंगम नगर पहुंचे। बरजंगम से दक्षिण की ओर 400 कोस चलकर छोटी तिब्बत के एरूल शहर पहुंचे।

विपरीत परिस्थितियों में एरुल शहर से 80 कोस दक्षिण की ओर चलकर मानसरोवर झील के पास सिलवन नगर (छोटी तिब्बत) पहुंचे, वहां से 60 कोस उत्तर की ओर हनुवर देश (तिब्बत) के एक धर्मांव नगर पहुंचे। आज यह नगर तीर्थ पुरी के नाम से प्रसिद्ध है। यहां से कैलाश पर्वत के दर्शन हमेशा होते रहते है। ग्रीष्म ऋतु में कभी–कभी तो यहां से मंदिरों के चिन्ह दिखाई देते है। ऐसा ब्रह्मचारी लामची दासजी ने यात्रा वृतान्त में उल्लेख किया है। यहां से 40 कोस के विशाल जंगल का पारकर सगरगंग नाले (नदी) पर पहुंचे।

सगरगंग नाले से 32 कोस ओर चल पाने पर ही कैलाश पर्वत के शिखर तक पहुंचा जा सकता था लेकिन विशाल सगरगंग नाला आ जाने के कारण कैलाश पर्वत पहुंचना मुश्किल था। अत: ब्रह्मचारी लामचीदास जी ने वीतराग भाव धारण कर खड़े योग से ध्यान कर यह नियम (आखणी) लिया 'जब तक कैलाश के दर्शन (कैलाश पर स्थित जिनालयों एवं जिनबिम्बों के दर्शन) नहीं होंगे तब तक अन्न जल का त्याग करता हूँ और संन्यास मरण यहां ही करुंगा ओर कदाचित दर्शन हो भी जाएं तो 23 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि के दर्शन कर वस्त्र दूर करुंगा। मुनिव्रत धरुंगा। परिषह सहूंगा''।

भगवान आदिनाथ के निर्वाण के पश्चात भरत चक्रवर्ती द्वारा निर्मित 72 जिनालयों में विराजित जिनबिम्बों के दर्शन की उत्कट अभिलाषा एवं महान संकल्पशक्ति के साथ ब्रह्मचारी लामचीदास जी चार दिन तक निराहार रहकर पंच परमेष्ठी का ध्यान करते रहे। चार दिन बाद एक व्यतर देव मनुष्य का रुप धारण कर प्रकट हुआ उस व्यंतर ने ब्रह्मचारी लामची दासजी को बहुत समझाया, डराया, धमकाया। यहां तक कि वह इनको धक्का भी देता रहा और बार–बार यह कहता रहा कि ''तुम मूर्ख हो ! पागल हो ! कैलाश के दर्शन कैसे करोगे? जाओ–यहां से कैलाश के दर्शन नहीं होंगे यह सगर गंग नाला चार कोस गहरा और चौड़ा है। आगे 32 कोस ऊंचा पर्वत है जाओ तुमको दर्शन कैसे होंगे?'' व्यंतर देव ने ब्रह्मचारी लामची दासजी को वापिस भेजने का बहुत प्रयास किया लेकिन ब्रह्मचारीजी की संकल्पशक्ति के आगे व्यंतर देव की एक न चली सकी। अंत में व्यंतर देव ने हार मानकर उनको सशर्त कैलाश पर्वत के जिनालयों में विराजित जिन प्रतिमाओं के दर्शन करवाए तथा उसी व्यंतर देव ने ब्रह्मचारी के लिये कैलाश पर्वत पर गाइड का भी कार्य किया। वह विस्तार से सब समझाता भी रहा। इसका उल्लेख ब्रह्मचारी लामचीदासजी ने अपने यात्रावृतान्त में किया है।

ब्रह्मचारी लामचीदासजी ने 7330 कोस चलकर गिरिराज के अष्टापद कैलाश के दर्शन किये। अष्टापद कैलाश के जिनालयों की वंदना के पश्चात 2564 कोस चलकर उन्होंने अपने जन्मस्थान भूटान देश के गिरिमध्यनगर में 18 वर्ष पश्चात प्रवेश किया। इस प्रकार कुल 9894 कोस की यात्रा का उल्लेख है। इस संपूर्ण यात्रा वृतान्त के उल्लेख में लामचीदास जी ने मार्ग में अनेक जैन धर्मावलम्बियों के जिनालयों का वर्णन एवं जैन जातियों का भी वर्णन किया। भूटान से भारत, म्यांमार, चीन, तिब्बत में लाखो जिनालय एवं अनेक प्रकार के जिन पूजक गृहस्थों की मान्यता वाली मूर्तियों के दर्शन उन्होने किये। विशाल जिनालय विशाल प्रतिमाएं हजारो छोटे–छोटे जिनालयों के भी उन्होंने दर्शन किये। गिरिमध्यनगर की विभिन्न धर्मशालाओं में एक वर्ष तक रहने के पश्चात उन्होंने सगरगंग नाले पर लिये गए संकल्प को पूर्ण करने के लिए मानव से महामानव बनने के लिये अपनी यात्रा प्रारंभ की। इस प्रकार उन्होंने अपने जन्मस्थान को हमेशा के लिए त्याग दिया। सर्वप्रथम उन्होंने 20 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि अनादि निधन गिरिराज परम पवित्रधाम सम्मेद शिखरजी के दर्शन किए पश्चात चम्पापुर, पावापुर, राजगृही कलजीवन, सोनागिरीजी, रेवातट, मक्सी, पार्श्वनाथ, विंध्याचल बड़वानीजी, सतपुरीगिरी, मांगीतुंगीजी, सांद्रिगिरी, गजपंथाजी, गिरनारजी, भावनगर, गोम्मटस्वामी, तिलंगदेश, द्राविण देश कर्नाटक देश के जिन मंदिरों की वंदना करते हुए जैन बद्री मूड बद्री आ गए।

इस प्रकार वे कुल 22 वर्षों तक सभी निर्वाण भूमि अतिशय क्षेत्र, सिद्धक्षेत्र और देश विदेश के अनेक जिनालयों की वंदना करते रहे।

महाव्रतों को अड़्गीकार करने के पूर्व ब्रह्मचारी लामचीदासजी ने अपने यात्रा वृतान्त को 104 पृष्ठों में लिपिबद्ध (हिन्दी में) करवाकर कौशल, कुरूजांगल जैसे अनेक देशों के लिये प्रेषित करवाया।

उन्होंने अपने पत्र के अंत में एक नोट लिखा – 'श्रावक सर्वजनों संशय न करनी श्रावक जो जाय सो अपनी सम्पक्त्व से दर्शन करों जाने में भ्रम न करना जरूर दर्शन होयगे। जिन धर्म दोय प्रकार है निश्चय और व्यवहार। सोनिग्रंथन (मुनिराज) निश्चय है और व्यवहार ही जानने भगवान की वाणी सोई खिरी है सो पत्र गाथा निश्चय सत्य मानों। इनके यात्रा वृतान्त की विशेषता यह है कि इनके यात्रा स्थानों में जो भी, जैसा भी स्थान आया उसका उल्लेख अवश्य किया; चाहे वह जैन मंदिरों का उल्लेख हो। चाहे होवा नगर की बाहुबली भगवान की बौद्धमतावलम्बियों द्वारा पूजे जाने का उल्लेख है। चाहे गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित गौतम सन् का उल्लेख हो, चाहे तिब्बत में पाए जाने वाले हजारों लाखों जैन मंदिरों का वर्णन हो, चाहे कैलाश पर्वत पर भरत द्वारा बनवाए गये 72 जिनालयों, जिनबिम्ब का उल्लेख हो, चाहे कैलाश पर्वत एक हजार धनुष ऊंचे रुद्रमहल के ध्वशावशेषका उल्लेख हो, चाहे चीन के वैभव का उल्लेख। सब का बहुत सहजता से उल्लेख किया है। संपूर्ण यात्रा वृतान्त आग्रह रहित है।

ब्रह्मचारी लामचीदासजी का यात्रा वृतान्त सहज ही विश्वास करने योग्य नहीं है। इसलिए एक सज्जन ने तो यह कह दिया कि हम इसे सत्य क्यों माने? इस प्रश्न ने मेरे मन मस्तिष्क को झकझोर दिया और फिर मैने सत्यता जानने के लिए उनके यात्रा वृतान्त में उल्लेखित नगरों की उनकी दूरी को नक्शे पर उतारा। नगरों के नामों का ऐतिहासिक अध्ययन किया तो यह ज्ञात हुआ कि नगरों की दूरी तो वहीं रहीं लेकिन नगरों के नाम, बसाहट आदि में बहुत अंतर आ गया। इन तीन सौ वर्षों में संसार में अनेक भौतिक, अभौतिक, राजनैतिक परिवर्तन हुये तिब्बत के घने जंगल मैदान में बदल गये। एशिया, यूरोप में अनेक क्रांतियां हुई बहुत सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक उलट पलट हुई। ऐसा चीन, तिब्बत और म्यांमार में भी हुआ। फलस्वरुप नगरों के नाम, स्थान, नदी आदि के नाम परिवर्तित हो गये। चीन में तो राजतंत्र से साम्यवाद आ गया। उसने चीन की संपूर्ण प्राचीन सभ्यता, संस्कृति, रीति–रिवाज में आमूल–चूल परिवर्तन कर दिया। नगर, स्थान, नदी, पर्वत, मंदिर आदि के नाम बदल गए। चीन में पल्लवित पुष्पित जैन संस्कृति का लोप हो गया। ब्रह्मचारी लामची दासजी के यात्रा वृतान्त में कहीं भी शंका की आशंका प्रतीत नहीं होती। अति अल्पसमय में दिगम्बर मुद्राधारण कर महाव्रती बनने वाला महान आत्मा झूठ को उल्लेखित क्यों करेगी। ऐसा कभी हो ही नहीं सकता।

**आलेख** – निर्मलकुमार जैन, विदिशा (म.प्र.)

## पाठको की कलम से ..

गोलालारीय दर्शन के माह मार्च 2013 में प्रकाशित 'होम्योपैथिक से आसान इलाज (माइग्रेन) एवं योग' लेख पढ़कर अत्यंत खुशी महसूस हुई । इस लेख से समाज के कई लोगों को जानकारी एवं लाभ मिलेगा। धर्म प्रभावना के साथ साथ यह एक अच्छा प्रयास है। आप सब बधाई के पात्र है। – **एस.सी. जैन,** एसबीआई, स्कीम नं.54, इन्दौर

## महिला मंडल की विशेष सभा संपन्न

इन्दौर, अनुपमा जैन। गोलालारीय महिला मंडल की अप्रैल माह की मासिक सभा का आयोजन रेशु जैन एवं श्रीमती अनु जैन के आतिथ्य में मेघदूत उपवन में किया गया। सभा में मंगलाचरण पश्चात नियमित गेम्स, तंबोला आदि खिलाये गये। महावीर जयंती के अवसर पर पालना गीत गाये गये। महिला मंडल की सचिव श्रीमती भारती जैन द्वारा सामाजिक हित संवर्द्धन हेतु निम्न सुझाव प्रस्तुत किये गये। जिसे सभी ने ध्वनिमत से सहमति प्रदान की। * महिला मंडल की महिलाओं को धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रियता से आगे आना चाहिए। * समाज उपयोगी गतिविधियों के संचालन हेतु क्षेत्र अनुसार 15 से 18 महिलाओं के चार समूह का गठन किया गया। जो वर्ष में एक बार समाज उपयोगी कार्यों का संचालन करेंगे। निर्धन एवं जरुरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक सहायता हेतु प्रयास करेंगे। समाज की शीघ्र प्रकाशित होने वाली 'प्रयास' पुस्तिका के जनगणना फार्मों को अपने क्षेत्रों में एकत्रित करने का प्रयास महिला मंडल की सदस्या करेंगी।

## वृद्धाश्रम में महावीर स्वामी के अमर संदेशों का वाचन किया

जबलपुर, अरविन्द जैन 'बाकल'। दिगम्बर गोलालारीय जैन नवयुवक सभा के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति भगवान महावीर स्वामी जी की 2612वीं जयंती के उपलक्ष्य में वृद्ध आश्रम एवं कुष्ट आश्रम जाकर श्री राजकुमार जैन द्वारा भगवान महावीर स्वामी के सत्य, अहिंसा, जियो और जीने दो के संदेशों का वाचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्था अध्यक्ष अरविंद जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जयकुमार जैन, डॉ. सुनील जैन, अश्विन जैन, आलोक जैन, रविन्द्र जैन, ऋषभ मोदी एवं रीतेश मोदी का विशेष सहयोग रहा।

दिनांक 22 अप्रैल को रात्रि 9 बजे से श्रीगणेश प्रसाद वर्णी पाठशाला के बच्चों द्वारा भव्य नृत्य नाटिका, वर्धमान के 6 रुपों का वर्णन किया गया।

## भगवान महावीर को झुलाया पालना, शोभयात्रा निकाली

ललितपुर, शैलेष जैन 'पिन्टू'। जैन धर्म के चौबीसवे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इससे पूर्व सुबह के समय डोड़ाघाट स्थित चंद्रप्रभु जैन मंदिर में भगवान का अभिषेक व पूजन किया गया। लोगों ने पालने में बिराजे भगवान को झूला झूलाकर पुण्य लाभ लिया।

मंगलवार को सुबह डोड़ाघाट स्थित चन्द्रप्रभु जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का मंगल अभिषेक किया गया। विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद जन्मोत्सव मनाया गया। इसके बाद भगवान को पालने में बैठाया गया। सावरकर चौक, अटामंदिर, वर्णी कालेज स्थित क्षेत्रपाल मंदिर, नई बस्ती जैन मंदिर सहित अन्य जैन मंदिरों में महिला मंडलियों ने भगवान के जन्मोत्सव गीत प्रस्तुत किए। शाम को पांच बजे नगर के सभी जैन मंदिरों की शोभायात्रा सावरकर चौक स्थित अटा मंदिर पर एकत्रित हुई। यहां से बैंडबाजों की धुन पर मुख्य शोभायात्रा निकाली गई, जो प्रमुख मार्गों से होते हुए अटा मंदिर पर समाप्त हुई। शोभायात्रा में सबसे आगे बैंडबाजे भगवान के जन्मोत्सव के गीतों की ध्वनि निकालते हुए चल रहे थे। उनके पीछे घोड़े पर धर्म ध्वजा लेकर युवा चल रहे थे। बग्गियों पर भगवान महावीर के चित्रों की झांकियां सजी हुई थीं। इसके बाद महिलाएं पीले वस्त्र धारण करके मंगल गीत गाते हुए आगे बढ़ रही थी। वही, पुरुष सफेद वस्त्र धारण करके पीछे चल रहे थे। वीर व्यायाम शाला, वीर सेवा संघ, स्याद्वाद सेवा संघ, आदिनाथ व्यायाम शाला आदि के युवाओं ने शोभयात्रा के बीच बीच में हैरतअंगेज प्रदर्शन किए, जिनको देखकर सभी दंग रह गए। शोभायात्रा मार्ग पर स्वागत द्वार लगाकर लोगों ने भगवान के दर्शन किए और जुलूस में शामिल समाजजनों का स्वागत किया। जैन युवा संगठन के तत्वावधान में महावीर नेत्र चिकित्सालय पर 30 युवाओं ने रक्तदान कर समाज को एक अमर संदेश दिया।

### इन्दौर

इन्दौर, कोमलचंद जैन। चैत्र शुक्ल तेरस का महत्वपूर्ण दिन जिस दिन वर्तमान जिन शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्मदिवस मनाया जाता है, जैन समाज इस दिन को हर्षोल्लास पूर्वक मनाते आये है। प्रात:काल से ही प्रभात फेरी, पूजा–अर्चना एवं सांध्य में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। गोलालारीय समाज के सभी सदस्य हर्षोल्लास पूर्वक अपने स्थानीय मंदिरों में भाग लेते है। समाज के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर 64, न्यू देवास रोड़ पर प्रात: प्रभातफेरी का आयोजन किया गया जिसमें समाज के वयोवृद्ध स्थायी ट्रस्टी श्री धरमचंदजी के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किये गये। समाज के अस्थाई ट्रस्टी श्री महेन्द्र जैन, श्री विजय जैन, मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष श्री सुनील जैन व समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री देवकुमार जैन, अनिलकुमार जैन, हेमंत जैन, हीरालाल जैन तथा महिला मंडल की सदस्या श्रीमती किरण फणीश, भारती जैन, साधना जैन ने इस प्रभातफेरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा पारंपरिक मार्गों से होती हुई पुन: मंदिर पर आई जहां श्रीजी के कलश हुए।

सकल दिगम्बर जैन समाज की पारंपरिक शोभायात्रा दोपहर 3 बजे इतवारिया बाजार से प्रारंभ हुई जिसमें जैन समाज के सभी वर्गों ने विशेष रुप से भाग लिया। गणाचार्य 108 विराटसागरजी महाराज का विशाल मुनि संघ जिसमें 70 से अधिक साधु, आर्यिका माताजी एवं छुल्लिका माताजी, ऐलक व क्षुल्लक साधुजन थे। ऐसा अविस्मरणीय दृश्य कम ही देखने को मिलता है। गोलालारीय समाज के सदस्यगणों ने समाज की एकता व संगठन को सशक्त बनाने के नारों की तख्तियों पर 'संगठन में ही शक्ति है, एकता में समझदारी है, बिखर गए तो कुछ नहीं बचेगा' ऐसे प्रेरणापद संदेशों के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए जिससे शोभायात्रा पथ पर लगे स्वागत मंचों ने विशेष रुप से सराहा व समाज अध्यक्ष को इस प्रयास हेतु सम्मानित भी किया गया। समस्त जैन समाज शोभायात्रा पथ पर उमड़ पड़ा था, सड़क के दोनो ओर सैकड़ो महिलाये व बच्चें समारोह में शामिल झांकियों को निहार रहे थे। गत 5 वर्षों से गोलालारीय समाज के पदाधिकारियों के प्रयास से इस पारंपरिक समारोह में हमने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

## बाकल में सिद्धचक्र विधान मंडल संपन्न

बाकल, पुष्पेन्द्र जैन। हमारे भीतर भी ईश्वर बनने की शक्ति है सिर्फ उसे उद्घाटित करने की आवश्यकता है। आज हम भगवान की आराधना तो कर रहे है किन्तु उस आराधना साधना में भी कही न कही हमारा अपना स्वार्थ छिपा है, भक्ति निष्काम भाव से की जानी चाहिए। भक्तिपूर्ण तल्लीनता, समर्पण भाव, प्रमुदित गुणों के साथ

होनी चाहिए। श्रावक को पूजा एवं दान दोनो करना चाहिए। भगवान की आराधना के लिए दोनो साधन आवश्यक है। उक्त सारगर्भित उद्गार पूज्य मुनि प्रयोगसागरजी महाराज द्वारा श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर प्रांगण में चल रहे 8 दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के अवसर पर विशाल धर्मसभा में व्यक्त किये।

बाजार प्रांगण बाकल में चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के अवसर पर ब्रह्मचारी भैया संजीव, अरुण भैया एवं पंकज भैया द्वारा पूर्ण विधि विधान के साथ प्रात: 6 बजे अभिषेक पूजन, शांतिधारा, आरती एवं 62 अर्घ्यों का समर्पण किया गया। रात्रि में स्थानीय जाने पहचाने कलाकारों में विमल सिंघई, अजय अहिंसा, संजय सिंघई, श्रीमती राजुल द्वारा कृष्ण सुदामा नाटक की मनमोहक प्रस्तुति की गई।

भारतीय संवत् नववर्ष के प्रथम दिन चैत्य शुक्ल प्रतिपदा गुडी पड़वा के अवसर पर सिद्धचक्र महामंडल विधान में अपनी सहभागिता निभा रहे पात्रो में संजय मोदी, सौधर्म इन्द्र सिंघई नरेन्द्र, श्रीपाल इन्द्र, स्वप्निल साहूकार कुबेर इन्द्र, सिंघई अशोक, जीवनधर मोदी, कैलाश जैन, अनिल मोदी, मुकेश मोदी, पवन मोदी, अजय अहिंसा, डॉ. सुबोध मोदी, सवाई सिंघई अशोक, पुष्पेन्द्र मोदी परिवार तथा अशोक मोदी, सुनील मोदी, राजेन्द्र सिंघई, प्रमोद मोदी, संजय सिंघई, प्रदीप मोदी, अनुराग सिंघई, प्रसन्न मोदी, जितेन्द्र मोदी आदि परिवारों द्वारा कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वही वरिष्ठजनों में काका मोतीलाल, रमेश जैन, सुदेशचंद जैन, पुष्पकुमार जैन, विमल सिंघई आदि द्वारा उत्साहवर्धक सहयोग दिया।

## तालबेहट में महावीर जयंती संपन्न

## गोलालारीय समाज अब वेबसाईट पर भी.....

**गोलालारीय समाज की वेबसाईट www.golalariya.com में प्रत्येक नगर के संगठन की सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों की सचित्र जानकारी समाहित की जा रही है। आपसे सादर अनुरोध है कि आपकी जानकारी में अपने समाज के मुनिराजजी, माताजी, आर्यिकाजी, विद्वान एवं साहित्यकारों की संपूर्ण जानकारी हमें सचित्र भेजें। देश-विदेश में सरकारी एवं निजी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्यरत प्रशासनिक अधिकारी, प्रबंधक, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट व कंपनी सेक्रेटरी इत्यादि की जानकारी सचित्र भेजें ताकि समाज की इन प्रतिभाओं का हम उचित सम्मान कर उनका परिचय संपूर्ण समाज से करा सके। संपर्क - बाहुबली जैन, 98272-48748**

## गोलालारीय समाज विदिशा द्वारा संत निवास निर्माण के लिए भूखंड क्रय किया।

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। विदिशा नगरी जो कि 1008 शीतलनाथ भगवान के 4 कल्याणकों से सुशोभित है। जहां 13 दिगम्बर जैन मंदिर है, लेकिन सबसे बड़ी परेशानी यहां पर साधु संतो के निहार के लिए कोई उचित स्थान नहीं थी, इस समस्या के स्थायी निदान हेतु गोलालारीय समाज ने एक भूखंड जैन भवन के पास में ही क्रय कर लिया है। जिस पर शीघ्र ही संत निवास का निर्माण कराना जाना प्रस्तावित है।

## डिण्डौरी नगर में समाज अध्यक्ष व कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न

डिण्डोरी, राजीव जैन। विगत दिनों डिण्डोरी जैन समाज की बैठक में सर्वसम्मिति से डॉ. सुनील जैन को अध्यक्ष चुना। डॉ. सुनील मृदुभाषी एवं समाज को एक साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति है। इनके अध्यक्ष चुने जाने पर पूरे समाज में खुशी की लहर फैल गई। आप पूर्व में भी कई संस्थाओं से जुड़े रहे है।

अध्यक्ष श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंधन समिति, पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भा.ज.पा. (म.प्र.), जिलाध्यक्ष भारतीय रेडक्रास सोसायटी, पूर्व जिलाध्यक्ष रोट्ररी इंटरनेशनल क्लब।

## सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष पद पर श्री चौधरी प्रकाशचंद्र सराफ पुनः निर्वाचित

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। दि. 21 अप्रैल 2013 को शीतल धाम हरीपुरा विदिशा में सकल दि. जैन समाज के अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी अधिवक्ता श्री सुमेरचंद जैन ने मतदान शांतिपूर्वक संपन्न कराया तत्पश्चात मतों की गणना कर परिणामों की घोषणा की गई, जिसमें श्री चौधरी प्रकाशचंद्र सराफ को 441 मत प्राप्त हुए, जबकि निकटतम प्रत्याशी श्री महेन्द्र जैन को 123 मत प्राप्त हुए। श्री सराफ को 318 मतो के भारी अंतर से विजयी होने पर समाज बंधुओं, मित्रों, शुभचिंतको ने उन्हें बधाईयां दी। श्री चौधरी प्रकाशचंद्र सराफ ने अपनी जीत पर सभी समाजजनों का आभार माना।

## ।। बधाईयाँ ।।

भारतीय जैन महिला मिलन के गुना में आयोजित केन्द्रीय अधिवेशन में क्षेत्र क्रं. 12 से डॉ. आराधना जैन 'स्वतंत्र' गंजबासौदा को तिलक अक्षत, शाल, श्रीफल, अंगवस्त्र भेंट कर विशिष्ट महिला पद से सम्मानित किया गया। केन्द्रीय कार्यकारिणी तथा स्थानीय भारतीय जैन महिला मिलन, जैन मिलन गंजबासौदा के सदस्यों ने अपने नगर में उनका विशेष सम्मान किया।

अशोक नगर में आयोजित भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रं. 12 के क्षेत्रीय अधिवेशन में भारतीय जैन महिला मिलन गंजबासौदा मुख्य शाखा की मंत्री डॉ. आराधना जैन को श्रेष्ठ मंत्री पद से सम्मानित किया गया।

**27 जनवरी 2013 में इन्दौर में संपन्न स्नेह सम्मेलन मे त्रुटि के कारण छूटे नामों की सूची**

| | |
|---|---|
| श्री अंकित कुमार जैन, सुखलिया | 501 |
| श्री अरविन्द कुमार जैन, विजय नगर | 301 |

गत माह प्रकाशित सूची में त्रुटिवश आपके नाम छूट गये थे जिसके लिए हमें खेद है।

## विदिशा गोलालारीय दि. जैन समाज का चुनाव सम्पन्न

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। दिनांक 3 मार्च 13 को गोलालारीय जैन समाज के चुनाव निर्वाचन अधिकारी श्री खुशालचंद जैन एवं श्री लल्लू जैन एडवोकेट के निर्देशन में संपन्न हुए। जिसमें 7 सदस्यों का निर्विरोध चुनाव हुआ, तत्पश्चात 2 सदस्यों का मनोनयन किया गया। गोलालारीय समाज ट्रस्ट का निर्माण 2 वर्ष के लिए किया गया।

संरक्षक – श्री सनतकुमार जैन, संरक्षक – श्री के.के. जैन, अध्यक्ष – श्री अभय वैद्य सीए, सचिव – श्री नरेन्द्रकुमार जैन, उपाध्यक्ष – श्री संजीव चौधरी, सहसचिव – श्री अशोककुमार जैन, कोषाध्यक्ष – श्री जिनेश्वरदास जैन, संयुक्त मंत्री – श्री सुनीलकुमार जैन, सदस्य – श्री राकेशकुमार जैन

कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को समाज बंधुओं एवं शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं प्रदान की। पदाधिकारियों ने भी अपनी ओर से यथासंभव समाज की प्रगति एवं उन्नति के लिए भरपूर कोशिश करने के लिए आश्वस्त किया। गोलालारीय दर्शन परिवार नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित करती है।

अभय वैद्य
अध्यक्ष

नरेन्द्र जैन
सचिव

सनतकुमार जैन
संरक्षक

के. के. जैन
संरक्षक

संजीव चौधरी
उपाध्यक्ष

अशोक जैन
सहसचिव

जिनेश्वर जैन
कोषाध्यक्ष

सुनील जैन
संयुक्त मंत्री

राकेश जैन
सदस्य

## पन्ना में परंपरानुसार महावीर जयंती संपन्न

पन्ना, अभिषेक जैन 'अभि'। नगर में देवाधिदेव वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई। जिसमें समाज के सभी लोगों ने विशेषकर बच्चों ने बहुत ही आनंदपूर्वक भगवान के जन्मोत्सव को मनाया। दो दिवस पूर्व से ही पन्ना नगर के दोनो मंदिरों एवं संपूर्ण नगर को बड़े ही आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह 7.30 बजे श्री पार्श्वनाथ दि. जैन बड़ा मंदिर धाम पन्ना में भगवान का 1008 कलशों से अभिषेक किया गया एवं पूजन के बाद भगवान महावीर स्वामी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बड़ा बाजार स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर में पहुँची। वहाँ पर भगवान का पुन: 1008 कलशों से अभिषेक किया गया एवं पूजन पश्चात सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। नगर में दिनांक 10.05.13 से 15.05.13 तक होने वाले श्री 1008 नेमिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, कलशारोहण एवं विश्वशांति महायज्ञ के प्रमुख पात्रों का चयन किया गया। पात्रों के चयन पश्चात पुन: श्रीजी की शोभायात्रा शुरू हुई एवं नगर परिभ्रमण कर अपूर्व धर्म प्रभावना करती हुई बड़ा मंदिरजी धाम पन्ना में पहुँची। शाम को मंदिरजी में भगवान की आरती कर लोगों ने भगवान के जन्म कल्याणक की महिमा का जयगान किया।

## युवा संत मुनिश्री प्रज्ञासागरजी महाराज को 25वां रजत दीक्षा महोत्सव

अहमदाबाद, श्रेयांस जैन 'धर्मसैया'। आचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी के परम प्रभावी शिष्य मुनि श्री प्रज्ञासागरजी महाराज का 25वां रजत दीक्षा शुभारंभोत्सव 20–21 अप्रैल ब्रह्मचारी ट्रस्ट वाडी ग्राउण्ड अदाणी, नवपुरा में अपार श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी पथ के पाथिक, पूज्य गुरुवर मुनिश्री प्रज्ञासागर महाराज ने अपनी देशना में कहा कि सम्यक दर्शन, ज्ञान और चरित्र के मार्ग द्वारा मेरी मंजिल तो मोक्ष प्राप्ति है जिस पर वे लक्ष्य प्राप्ति तक चलता रहेंगे।

मुनिश्री ने आव्हान किया कि आप सभी इस मोक्ष पथ के अनुगामी बने साथ ही इस पथ पर चल रहे निग्रंथ मुनिजनों के संयममय जीवन की अनुमोदना करे।

रजत दीक्षा शुभारंभोत्सव समिति के मंत्री श्री श्रेयांस जैन 'धर्मसैया' ने बताया कि 25 वर्ष पूर्व 18 अप्रैल 1989 में परम पूज्य आचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी महाराज ने राजस्थान के छोटे से गांव परतापुर में वाल्यावस्था में बालक 'विवेक' को मुनिपद प्रदान कर बालमुनि प्रज्ञासागर नामकरण किया था।

उन्हीं का 25वां रजत जयंती दीक्षा शुभारम्भोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा। कार्यक्रम 20 अप्रैल को दोपहर 1 बजे, महामृत्युंजय मंडल महाविधान सायं 6 बजे आनंद यात्रा (म्युजिकल हाऊजी) 21अप्रैल प्रात: 8.30 बजे गुरुपूजा एवं गुणानुवाद सभा दोपहर 1 बजे 25वां रजत दीक्षा शुभारंभोत्सव 25 रजत कलशों से पाद प्रक्षालन, 25 मंगल शास्त्रजी भेट, 25 थालों से महाआरती, नवीन पिच्छी भेंट, सांस्कृतिक कार्यक्रम उपरांत पूज्य गुरुदेव का मंगल शुभार्शीवचन हुआ।

*मंजिल तो मिल ही जायेगी,*
*भटक के सही*
*गुमराह तो वो है,*
*जो घर से निकले ही नहीं।*

## * विनम्र श्रद्धांजली *

* **श्री महेन्द्रकुमार जैन** का अल्प बीमारी के पश्चात 3/4/13 को निधन हो गया। आप काफी मिलनसार, धार्मिक एवं सरल स्वभावी व्यक्तित्व के धनी थे।

**श्री गोलालारीय दर्शन परिवार आपके निधन पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।**

# डिण्डोरी – महावीर जयंती धूमधाम से संपन्न

डिण्डोरी, राजीव जैन। नगर में महावीर जयंती अत्यंत धूमधाम से मनाई गई। सुबह पूजन के बाद संपूर्ण जैन समाज ने गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण किया। नगर भ्रमण का कार्यक्रम अपने आप में अनूठा था। इस कार्यक्रम में समाजजनों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। दोपहर को श्रीजी का अभिषेक नगर के बाहर से आये कलाकारों की मधुर ध्वनियों से किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों द्वारा 125 किलो लड्डूओं का वितरण किया। रात्रि में संगीत मंडली द्वारा भगवान महावीर के भजन से सबका मन मोह लिया। रात्रि में ही समाज की महिलाओं द्वारा भगवान महावीर को झूला झूलाकर पुण्यलाभ लिया।
इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जैन समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सुनील जैन एवं नवयुवकों की संस्था 'जैनम' के सदस्यों को अकथनीय योगदान रहा। शाम को वात्सल्य भोजन का कार्यक्रम विद्या वाटिका में संपन्न हुआ।

### बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / मामा का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाइल नं.
16. प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. 01
2. सुप्रिया राजेश जैन
3. छोडा मूरी गोयल्ल/वासल्य
4. 27.08.90
5. 20.03
6. मण्डला
7. एम.कॉम, पीजीडीसीए
8. 5'3''
9. गेहुँआ
10. सरकारी सर्विस
11. 1.80 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. वार्ड क्र.9, नर्मदागंज, जैन आटा चक्की डिण्डोरी
15. 9424384465
16. jsupriya801@gmail.com



1. 02
2. राहुल कैलाशचन्द्र जैन
3. बिलऊआ/पवैया
4. 26.02.86
5. 09.45
6. ललितपुर
7. एम.बी.ए.
8. 5'11''
9. गोरा
10. सर्विस
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक मंगल
14. 23, चौवयाना, ललितपुर
15. 09506041841 09889606505



1. 03
2. नितिन स्व.श्री सुरेशचंद्र जैन
3. वैद्य/पंचरत्न
4. 21.08.81
5. 18.10
6. –
7. बी.कॉम
8. 5'3''/55 कि.
9. –
10. सर्विस
11. –
12. नहीं
13. नहीं
14. 541/16, मेघदूत नगर, बड़े पुल के पास, इन्दौर
15. 0731-2570364, 9826085688



1. 04
2. गौरव संतोषकुमार जैन
3. फणीश/सिंघई
4. 18.02.85
5. 01.00
6. –
7. एम.सी.एम.
8. 5'4''/68 कि.
9. गौर वर्ण
10. सर्विस–मुंबई
11. 4.20 लाख
12. हाँ
13. –
14. दर्पण श्रृंगार, 61 लखेड़वाडी, उज्जैन
15. 0734-2524935, 9827550123
16. gaurvav.ujn@rediffmail.com



1. 05
2. अभिषेक अरविन्द जैन
3. पटवारी/फणीश
4. 16.12.80
5. 02.00
6. –
7. बी.कॉम, डी.बी.एम
8. 6'/56 कि.
9. गेहुँआ
10. व्यवसाय–मशीनरी पार्ट्स
11. 4.20 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. राजेन्द्र नगर, जैन मंदिर के पास, मु.पो. तुमसर, जिला भंडारा (म.प्र.)
15. 07183-232753, 232754 09890266500



1. 06
2. आशीष कैलाशचंद्र जैन
3. दिवाकीर्ति/भंडारी
4. 30.11.79
5. 10.00
6. ललितपुर
7. एम.कॉम
8. 5'2''
9. –
10. सर्विस–इन्दौर
11. –
12. –
13. –
14. आदर्श किराना मर्चेन्ट, बांसी जिला ललितपुर
15. 9451659043, 05175-266009



1. 07
2. अंकिता कैलाशचंद्र जैन
3. दिवाकीर्ति/भंडारी
4. 09.07.84
5. 5.00
6. ललितपुर
7. एम.ए, बी.एड
8. 5'2''
9. साफ
10. सर्विस–इन्दौर
11. –
12. हाँ
13. –
14. आदर्श किराना मर्चेन्ट, बांसी जिला ललितपुर
15. 9451659043, 05175-266009



1. 08
2. डॉ. मीनेष स्व.श्री मगनलालजी जैन
3. दिवाकीर्ति/बिलौआ
4. 24.10.85
5. 12.35
6. बासी, ललितपुर
7. बी.ए.एम.एस
8. 5'8''
9. –
10. प्रेक्टिस गंजबासौदा में
11. –
12. हाँ
13. –
14. जैन मंदिर के पास, ग्राम बांसी जिला ललितपुर
15. 9926673724 8602708439



1. 09
2. रेलिस राजेन्द्र शाह
3. पटवारी/फणीश
4. 10.11.86
5. 6.30
6. अहमदाबाद
7. एम.एस. (बायो टेक्नोलॉजी)
8. 5'5''/70 कि.
9. गोरा
10. सर्विस – रिसर्च टेक्नी. अमेरिका
11. 24.00 लाख
12. –
13. –
14. 8, अमर ज्योत बंगलोज, अंबिका नगर के पास, ओठव, अहमदाबाद (गुजरात)
15. 079-22877924 9228232155



1. 10
2. अनुभा अनिलकुमार जैन
3. जमोरिया/फणीश
4. 13.9.87
5. 04.00
6. विदिशा
7. एम.एस.सी. गणित
8. 5'3''
9. गोरा
10. सर्विस – संविदा शिक्षक वर्ग–2
11. –
12. –
13. –
14. ज्योति जनरल स्टोर्स कागदीपुरा, विदिशा (म.प्र.)
15. 07592-236105 9329825524

1. 11
2. योगेन्द्र नरेन्द्रकुमार जैन
3. भंडारी/बिलौआ
4. 7.2.84
5. 12.10
6. टीकमगढ़
7. बी.टेक (आईआईटी गुवाहाटी)
8. 5'6''
9. साफ
10. सर्विस – स्मार्ट क्यू, नोएडा
11. 17.00 लाख
12. –
13. –
14. महावीर विहार कालोनी, टीकमगढ़ (म.प्र.)
15. 9755802917, 9425074782




## वर्ष 2012-13 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन फार्म

वर्ष 2012-13 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी निम्न प्रारुप में अपना विवरण 10 जून 13 तक **गोलालारीय दर्शन** कार्यालय पर भेज सकते है।

**विद्यार्थी का नाम:** ____________________ कक्षा ________

**पिता/माता का नाम :** ____________________

**डाक का पूर्ण पता : नगर के पिन कोड फोन सहित देवे।** ____________________

**फोन/मोबाइल :** ____________________

पिन न लगायें। नवीन फोटो पर नाम लिख यहां चिपकाएं

**कुल अंक:** __________ **प्राप्तांक** __________ **प्रतिशत/ग्रेड** __________

**विशेष उपलब्धि:** ____________________

विशेष : ● कक्षा 1 से 5 तक 85 % ● कक्षा 6 से 8 तक 75 % ● कक्षा 8 से स्नातकोत्तर या प्रोफेशनल कोर्सेस में 65 % या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उक्त प्रारुप, अंक सूची की फोटोकॉपी के साथ 10 जून 13 तक निम्न पते पर भेंजे ताकि आगामी अंक में उन्हे उचित स्थान दिया जा सकें। प्राप्त अंक सूचीयों को वरीयतानुसार प्रकाशित करा जावेगा। उक्त प्रारुप की फोटो कॉपी भी कराई जा सकती है। विशेष नोट – अंक सूची पर पूर्णांक/प्राप्तांक/प्रतिशत/ओवर आल ग्रेड (फायनल ग्रेड) स्पष्ट रुप से लिखना अनिवार्य है। ● उक्त प्रारुप को पूर्ण रुप से स्पष्ट भरा होने पर ही प्रविष्टी मान्य होगी। ● स्नातक/ स्नाकोत्तर/ प्रोफेशनल कोर्सेस पूर्ण होने पर ही उसकी मार्कशीट की फोटोकॉपी भेंजे। ● अंकसूची की संपूर्ण फोटोकॉपी से भेजे जिसमें ग्रेड निर्धारण का विवरण अनिवार्य रुप से होना चाहिए।

फार्म भेजने का पता : "**गोलालारीय दर्शन**", श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 'सांस्कृतिक भवन", 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर – 452 003

**फार्म भेजने की अंतिम तिथि 10 जून 2013**

प्राप्त बॉयोडाटा को प्रकाशित करने में हम पूरी सावधानी रखते हैं, जिन प्रत्याशियों का संबंध हो गया है उनके अभिभावकों से सादर निवेदन है कि वे संबंध की सूचना हमें प्रेषित करें ताकि "**गोलालारीय दर्शन**" के माध्यम से नवदंपत्ति को बधाई संदेश (मय फोटो) प्रेषित किया जा सकें। यदि आप बॉयोडाटा का पुन: प्रकाशन चाहतें है तो निर्धारित शुल्क 100 रु. एवं उपरोक्त प्रारुप के साथ गोलालारीय दर्शन कार्यालय पर भेज सकते हैं।

## समाज के गौरव
## लेफ्टीनेण्ट
## श्री अनिरुद्ध कुमार जैन

'जननी जन्म भूमिश्चस्वर्गादपि गरीयसी' अर्थात माता और मातृ भूमि स्वर्ग से भी महान है किन्तु जिनमें देशभक्ति की भावना बलवती है, ऐसे वीर पुरुष मातृभूमि को माता से भी अधिक श्रेष्ठता प्रदान करते है, क्योंकि माता की सुरक्षा मातृभूमि के सुरक्षित होने में ही है।

देश प्रथम है, शेष दोयम है। देश है तो सब कुछ है। धर्म है, संस्कृति है। देश की गोद में ही धर्म और संस्कृति संरक्षण पाते हैं। इसीलिये देश और देश भक्ति महान है। **जिये तो देश के लिये, मरें तो देश के लिये।**

देशभक्ति की यह भावना विरल लोगों में ही पाई जाती है, उन विरलों में से एक है लेफ्टीनेण्ट अनिरुद्ध कुमार जैन। देशभक्ति से प्रेरित हो आपने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) पूना एवं भारतीय सेना अकादमी (आईएमए) देहरादून से प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपको 8 दिसम्बर 2012 से नियमित सेना में लेफ्टीनेण्ट के रैंक से प्रतिष्ठापित एवं नियुक्त किया है। वर्तमान में आप अरुणाचल प्रदेश में पदस्थ होकर देश की सेवा कर रहे हैं। आप विद्वान एवं कवि पं. लालचंद्र जैन 'राकेश' के पौत्र एंव इंजी. अनिलकुमार–रेखा जैन, भोपाल के सुपुत्र है।

आपकी इस सफलता एवं समाज को गौरवान्वित करने के उपलक्ष्य में आपको अनेक संस्थाओं और सामाजिक जनों ने बधाईयां देते हुए आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाईयां।

## विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

सिंघई श्री जीवनधर–सरोज जैन की सुपौत्री एवं श्री विजय–आशा जैन, इन्दौर की सुपुत्री **डॉ. मोनिका जैन** का शुभ विवाह 26 अप्रैल 2013 को **इंजी. अनघ जैन** सुपौत्र श्री बाबूलाल–श्रीदेवी जैन, सुपुत्र श्री अतुल–मणि जैन भोपाल के साथ संपन्न हुआ।

**गोलालारीय दर्शन परिवार आपको नवदामपत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कर मंगलमय जीवन की कामना करता है।**

## हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

## डॉ. सुनील जैन पंचरत्न
## के सकल दिगम्बर जैन समाज
## के अध्यक्ष बनने पर
## हार्दिक बधाई

**आपने इन संस्थाओं में भी विशेष योगदान दिया है –**

**अध्यक्ष** – श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंधन समिति
**पूर्व जिलाध्यक्ष** – भारतीय जनता पार्टी
**प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य** – भा.ज.पा. (म.प्र.)
**जिलाध्यक्ष** – भारतीय रेडक्रास सोसायटी
**पूर्व जिलाध्यक्ष** – रोट्ररी इंटरनेशनल क्लब

**निवेदक – सकल दिगम्बर जैन समाज डिण्डोरी**

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित